डियर पार्क, नारायण तेवाड़ी देवाल / मिनी जू / जैव विविधता पार्क / अल्मोड़ा (उत्तराखण्ड)

वार्षिक प्रतिवेदन

2017–18

अनुकमणिका

क्र0सं0	विवरण
1	आमुख
2	प्रस्तावना
3	एक नजर / Vision
4	विशेष कार्य / Mission
5	उद्देश्य / Objective
6	प्राणी उद्यान का विवरण
7	संगठनात्मक चार्ट
8	मानव संसाधन
9	प्राणी उद्यान प्रबन्धन / सलाहाकार समिति
10	वन्य प्राणी स्वास्थ / सलाहाकार समिति
11	लेखा अनुभाग
12	वन्य प्राणियों के प्रतिदिन दिये जाने वाले आहार का विवरण
13	टीकाकरण एवं स्वास्थ रक्षा
14	वन्य प्राणियों की कृमिनाशक दवापान सूची
15	कीटाणुशोधन अनूसूची
16	जूनोटिक बिमारी के लिए कर्मचारियों की स्वास्थ्य जॉच
17	बाड़ो का समृद्धिकरण
18	शिक्षा प्रशिक्षण, अनुसंधान
19	विशेष एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रम
20	वन्य प्राणियों के रखरखाव के लिए ऋतुवार विशेष व्यवस्था
21	शोध कार्य
22	संरक्षण एवं प्रजनन कार्यक्रम
23	वन्य प्राणियों का विनिमयीकरण
24	बचाव एवं पुर्नवास
25	वन्य प्राणी वार्षिक उपलब्धता सूची
26	वन्य प्राणियों की मृत्यु दर

आमुख :–

मृग विहार /रैस्क्यू सैन्टर के वर्ष 2017–18 के वार्षिक प्रतिवेदन को प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यधिक हर्ष हो रहा है। सांस्कृतिक नगरी अल्मोड़ा के प्रमुख दर्शनीय स्थलों में से एक मृग विहार/रैस्क्यू सैन्टर का प्रमुख उद्देश्य आदमखोर/संकटग्रस्त वन्य जीवों का संरक्षण वन्य जीवों के बारे में जागरूकता फैलाने और उनके संरक्षण की जरूरतों, संरक्षण के लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु अनुसंधान एवं अगन्तुकों कों आनन्दमय एवं रोमांचक अनुभव प्रदान करता है। एन0टी0टी0 स्थित 38 हेक्टेयर में फैला हुआ मृग विहार पर्यटकों के आकर्षण का मुख्य केन्द्र है। चीड़ प्रजाति के जंगलो से घिरा हुआ यह मृग विहार उच्च/मध्यम हिमालय वन्य जीवों के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है वर्तमान में कुल 92 वन्य जीव उपलब्ध है। जो आगन्तुकों के आकर्षण का मुख्य केन्द्र है। वर्ष 2017–18 में कुल 47,025 पर्यटकों ने मृग विहार का भ्रमण किया।

मृग विहार पर्यावरण एवं जैव विविधता के संरक्षण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देता है। वर्ष 2017–18 मे छात्रों एवं जनसाधारण में पर्यावरण एवं वन्य जीवन के प्रति स्नेह तथा जागरूकता उत्पन्न करने हेतु पर्यावरण दिवस, ओजोन परत संरक्षण दिवस एवं वन्य प्राणी सप्ताह के अवसर पर विभिन्नत कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है। इसके अतिरिक्त मृग विहार वन्य जीवों के बचाव कार्य में सराहनीय कार्य कर रहा है। वर्ष 2017–18 में विभिन्न स्थलों से अनेके वन्य जीवों का बचाव एवं पुर्नवास किया गया।

इसके अतिरिक्त मृग विहार में शिक्षा, जनजागरूकता एवं अनुसंधान के क्षेत्र में भी सराहनीय कार्य किया जा रहा है। वर्ष 2017–18 के वार्षिक प्रतिवेदन का प्रकाशन मृग विहार के विभिन्न कार्यकलापों की जानकारी हेतु किया जा रहा है। इसके लिए मै सम्पूर्ण मृग विहार प्रबन्धन दल को हार्दिक बधाई देता हूँ और मृग विहार के समग्र विकास हेतु उनके सहयोग की कामना करता हूँ।

(प्रवीण कुमार)
IFS,निदेशक
प्रभगीय वनाधिकारी
सिविल एवं सोयम वन प्रभाग,
अल्मोड़ा।

प्रस्तावना –

प्राकृतिक सौन्दर्य एवं बहुमूल्य विरासत युक्त उत्तराखण्ड के लगभग 65 प्रतिशत भू–भाग पर वन स्थित है। जैव विविधता की दृष्टि से अत्यन्त समृद्ध, इस प्रदेश मे बर्फीले पहाड़ो से लेकर अल्पाइन के घास के मैदान एवं तराई के घने वनों में उपलब्ध विविध प्रकार की वनस्पतियां एवं पशु पक्षियों की विविधता अद्वितीय है। उत्तराखण्ड में 18 प्रतिशत भू–भाग पर वन्य जीवों तथा उनके वास स्थलों के रूप राष्ट्रीय पार्क, वन्य जीव अभ्यारण तथा बायोस्फियर रिर्जव संरक्षित क्षेत्र बनाये गये है। मोनाल तथा कस्तुरी मृग उत्तराखण्ड के प्रतिक चिन्हों में से है। पर्वतीय क्षेत्रों की जैव विविधता एवं यहां पर पाए जाने वाले वन्य प्राणियों के संरक्षण के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश शासन द्वारा वर्ष 1978 में मृग विहार की स्थापना की गयी।

अर्न्तराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र मे अल्मोड़ा का प्रमुख स्थान है। वर्तमान में मृग विहार शिक्षा, शोध एवं पर्यटन स्थल के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर चुका है।

मृग विहार उत्तराखण्ड के विभिन्न क्षेत्रों में पाए जाने वाले असहाय एवं घायल वन्य प्राणियों एवं मानव भक्षी / पशु भक्षी गुलदार तथा बाघ को आवश्यक उपचार देने के उपरान्त पुर्नवास करने में प्रमुख भूमिका निभा रहा है।

वर्तमान परिवेश मे जब कि सम्पूर्ण विश्व में वनों एवं वन्यजीवों के महत्व को मानव सभ्यता हेतु आवश्यक माना जा रहा है। पर्यावरण संतुलन में इस धरती पर मौजूद प्रत्येक प्राणी का अपना महत्व एवं योगदान है। इसके बिना हम सम्पूर्ण सभ्यता की परिकल्पना नही कर सकते है।

एक नजर –: Vision – संरक्षण सर्वधन देखभाल शिक्षा एवं शोध अध्धयन द्धारा वन्य जीवों का परिरक्षण किया जाना।

विशेष कार्य –: Mission – वन्य जीवों को सुरक्षित करने हेतु संरक्षित प्रजनन,शिक्षा एवं प्रेरणा दायक कार्यों हेतु सचल केन्द्रों का निर्माण करना।

उद्देश्य –:

1. आदम खोर तेंन्दुवों को पकड़ कर सुरक्षित रखना एवं उपचार करना।

2. आदम खोर तेंन्दुवों के व्यवहार का अध्ययन करना।

3. भटककर बस्ती में आये तेंन्दुवों को रैस्क्यू कर सुरक्षित रखना एवं तत्पश्चात पशु चिकित्सक के सलाह के अनुसार प्राकृतिक आवास में वापस छोड़ना।

4. स्थानीय लोगों के आक्रोश को शान्त करने हेतु मानव वन्य जीव संघर्ष के प्रकरणों से संम्बन्धित तेंन्दुवों को कुछ समय के लिए रैस्क्यू सेन्टर में सुरक्षित रखना।

5. वन विभाग के प्रति स्थानीय लोगों में सद्भाव पैदा करना।

6. मध्य स्थलीय वन्य जीवों का सतत संग्रहण करना।

7. मृग विहार में स्थित वन्य जीवों के प्रवन्धन हेतु विभिन्न शोध अध्ययन जानकारियॉ तथा शिक्षा की आधारभूत व्यवस्था करना।

8. पर्यटन को बढ़ावा देना तथा स्थानीय जन को अभिविका का अवसर देना।

9. वनस्पातियों एवं विलुप्त प्राय प्राणियों का संरक्षण एवं संवर्धन।

10. कर्मचारियों एवं पर्यटकों की सुविधा एवं समृद्धि सुनिश्चित करना।

11.वन्य प्राणियों के बचाव कार्य एवं पुर्नवास के साथ–साथ उनके उत्तरजीविका को बनाये रखना।

मृग विहार का विवरण –:

क्र0सं0	विवरण	सूचना / जानकारी
1	चिड़ियाघर का नाम	जैव विविधता / मिनी जू एन0टी0डी0 अल्मोड़ा
2	स्थापना वर्ष	1978
3	चिड़ियाघर का पता	नारायण तिवाड़ी देवाल, अल्मोड़ा, उत्तराखण्ड
4	राज्य का नाम	उत्तराखण्ड
5	टेलीफोन नं0	05962–230229
6	फैक्स नं0	05962–230229
7	ई मेंल	csalmdfo@rediffmail.com
8	वैब साईट	–
9	निकटतम से दूरी	हवाई अड्डा – 120 कि0मी0
		रेलवे स्टेशन – 90 कि0मी0
		बस स्टेशन – 3 कि0मी0
11	चिड़ियाघर का प्रकार	मिनी जू
12	क्षेत्र (है0 में)	38 हैक्टेयर

13	आगंतुकों की संख्या (वर्ष 2017–18)	वयस्क – 39533
		बच्चे – 7289
		कुल भारतीय – 46822
		कुल विदेशी – 385
		कुल आगंतुको की संख्या – 47207
14	चिड़ियाघर में उपलब्ध आगंतुकों की सुविधा व्यवस्था	सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं।
15	चिड़ियाघर का साप्ताहित बंद होने का दिन	मंगलवार
चिड़ियाघर के प्रबंधन कर्मियों का विवरण		
16	प्रभारी अधिकारी के पदना के साथ नाम	श्री प्रवीण कुमार, प्रभागीय वनाधिकारी, सिविल एवं सोयम वन प्रभाग, अल्मोड़ा।
	पशु चिकित्सा अधिकारी का नाम	–
	क्यूरेटर का नाम	श्री मोहन राम, वन क्षेत्राधिकारी, मृग विहार
	जीवविज्ञानी का नाम	–
	शिक्षा अधिकारी का नाम	–
	कंपाउंडर /प्रयोगशाला सहायक का नाम	श्री गिरीश चन्द्र काण्डपाल (संविदा कर्मचारी)
चिड़ियाघर के प्रभारी / ऑपरेटर		
17	प्रभारी का नाम	प्रभागीय वनाधिकारी, सिविल एवं सोयम वन प्रभाग, अल्मोड़ा
18	प्रभारी का पता	सिविल एवं सोयम वन प्रभाग, अल्मोड़ा
19	प्रभारी का फोन नं0	05962–230229
20	ई मेल	csalmdfo@rediffmail.com

मृग विहार का संगठनात्मक चार्टः–

निदेशक

(प्रभागीय वनाधिकारी, सिविल एवं सोयम वन प्रभाग, अल्मोड़ा)

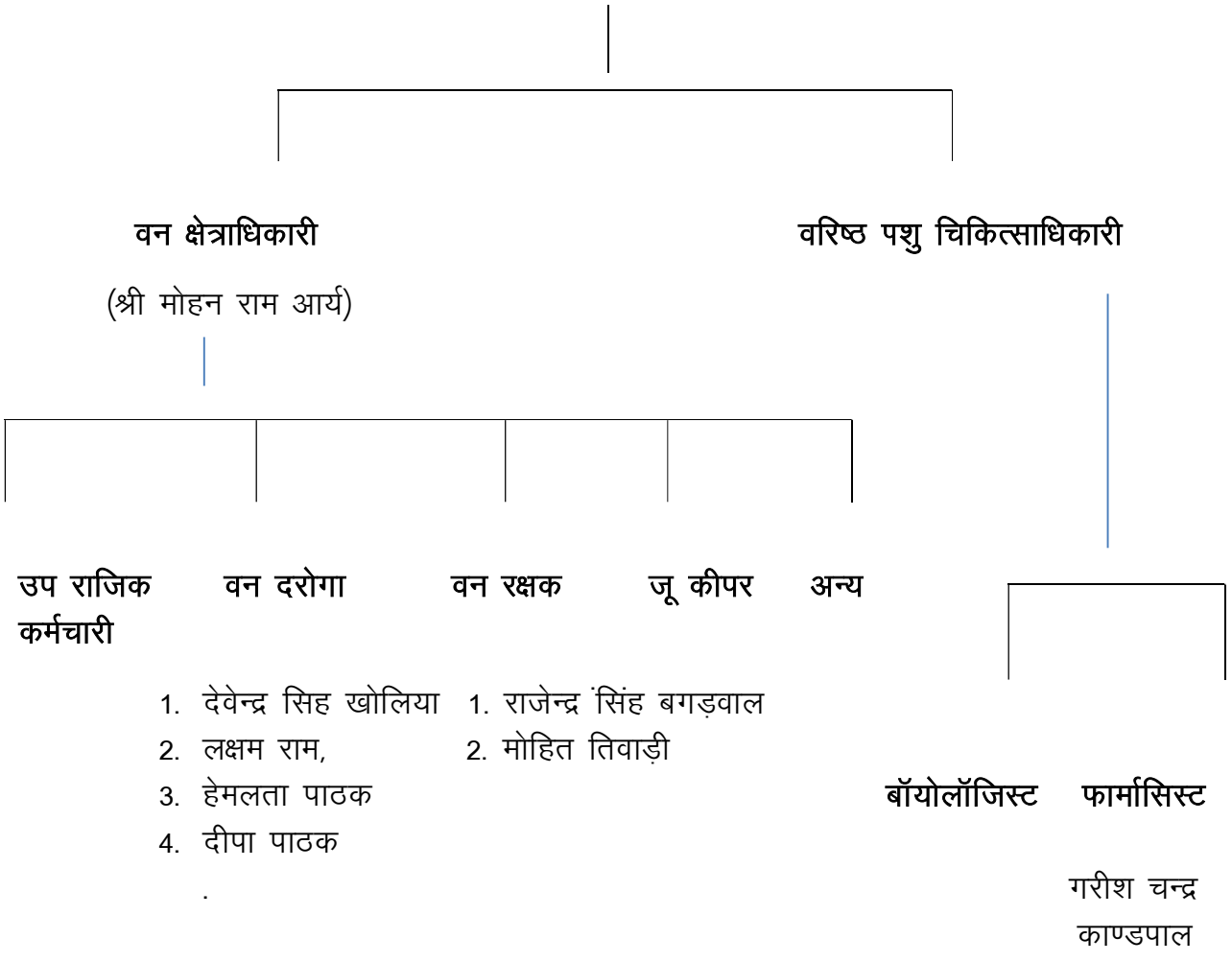

मानव संसाधन :–

मृग विहार में वन्य जीवों के रखरखाव, व्यवस्था, प्रबन्धन एवं अनुरक्षण कार्यों हेतु निम्नानुसार स्टाफ तैनात हैः–

क्र0सं0	पदनाम	संख्या	पदस्थ अधिकारी
1.	प्रभागीय वनाधिकारी	01	श्री प्रवीण कुमार
2.	वन क्षेत्राधिकारी	01	श्री मोहन राम आर्य
3.	वन दरोगा	04	श्री देवेन्द्र सिंह खोलिया, श्री लछम राम, श्रीमती हेमलता पाठक, दीपा पाठक,
4.	वन रक्षक	02	श्री राजेन्द्र बगडवाल ,श्री मोहित तिवारी
5.	चौकीदार	01	श्रीमती गीता पंत
6.	माली	01	श्रीमती मीरा नेगी
7.	स्वच्छक	01	श्रीमती कमलेश
8.	फार्मासिस्ट	01	श्री गिरीश चन्द्र काण्डपाल

मृग विहार प्रबन्धन/सलाहाकार समिति :– मृग विहार के कुशल प्रवन्धन एवं आय के विभिन्न स्रोतो के सृजन तथा विभिन्न कार्यों के अतिरिक्त रैस्क्यू सेन्टर, बन्दर बध्याकरण कार्यक्रम के सम्पादन हेतु एक प्रबन्धन समिति का गठन किया जाना आवश्यक है। तथा बन्दर बध्याकरण आपरेशन घायल/मृत वन्य जीवों के उपचार पोस्टमार्टम हेतु चिकित्सकों, फार्मासिस्ट की भी अति आवश्यकता है।

लेखा अनुभाग :– चिड़ियाघर की आय केवल चिड़ियाघर में आगंतुकों की आगमन से है। वर्ष 2017–18 में आगंतुको से रू0 1016280.00 का राजस्व प्राप्त हुआ, और वर्ष 2017–18 में चिड़ियाघर पर रू0 4500000.00 का व्यय किया गया है।

वन्य प्राणियों के प्रति दिन आहार सूचना : –

क्र0सं0	वन्य प्राणी	खाद्य सामाग्री	शीतकाल	ग्रीश्मकाल	उपवास का दिन

1.	सांभर Sambar Deer	चना चोकड़ (गेहूँ) पशु आहार	0.420Kg 0.400 Kg 0.310 Kg	0.420Kg 0.400 Kg 0.310 Kg	–
2.	चीतल Spottecl Deer	चना साबूत चोकड़ (गेहूँ) पशु आहार	0.300 Kg 0.250 Kg 0.200 Kg	0.300 Kg 0.250 Kg 0.200 Kg	–
3.	काकड़ Barking Deer	चना साबूत चोकड़ (गेहूँ) पशु आहार	0.200 Kg 0.170 Kg 0.130 Kg	0.200 Kg 0.170 Kg 0.130 Kg	मंगलवार
4.	भालू Himalayan Black Beer	बैगन / मौसमी फल आटा (रोटी) चावल (खीर) गुड़ दूध	2.00 Kg 1.00 Kg 0.500 Kg 0.250 Kg 1.00ltr	2.00 Kg 1.00 Kg 0.500 Kg 0.250 Kg 1.00ltr	–
5.	बन्दर white Monkey	आटा (रोटी) केला	0.250 Kg 4 No Kg	0.250 Kg 4 No Kg	–
6.	गुलदार Leopard	भैसा गोस्त	3.00 Kg प्र0दिन / प्र0 तेंन्दुआ	3.00 Kg प्र0दिन / तेंन्दुआ	मंगलवार उपवास

टीकाकरण एवं स्वास्थ्य सुरक्षा :–

S.No	Species	Disease Vaccinated For	Name of the Vaccine and dosage/quantity used	Periodicity	Remark
1	Feline	Nil			
2	Small Carnivoros	Rabies	Raksharb (1 ML)	Annual	
3	Himalayan Black Bear	Rabies	Raksharab	Annual	
4	Harbivores	Foot and Mouth Disease	Triovac Vaccine	Annual	

वन्य प्राणियों की कृमिनाशक दवापान सूची :–

S. No	Species	Drug Used	Month
1	Carnivores	Albmar	Thrice in a year

2	Omnivores	Panucur, Albamar	Thrice in a year
3	Harbivores	Panucur, Nilzan	Thrice in a year
4	Pheasant and Birds	Nil	

कीटाणुशोधन अनुसूची –

S.no	Species	Type of enclosure	Disinfectant Used and Method	Frequency of Disinfection
1	Carnivores	Night Shetter Drain Pipe Etc	Lizol Solution Phinyal Solution	Daily
2	Omniyores	Night Shetter Drain Pipe Etc	Lizol Solution Phinyal Solution	Daily
3	Harbivores	Night Shetter	Lizol Solution	Daily

जूनोटिक बीमारी के लिए कर्मचारियों की स्वास्थता जॉच :–

S.NO	**Name**	**Designation**	**Date of Health Chek Up**	**Finding of Health Chek Up**
1	Sri. Mohan Ram Arya	Range Officer	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies Vaccination	-
2	Sri. Devinder Singh Kholyiya	Frorester	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies Vaccination	-
3	Sri. Lacham Ram Arya	Forester	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies Vaccination	-
4	Smt. Hemlata Pathak	Forester	Half Yearly	-

			Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies Vaccination	
5	Smt. Deepa Pathak	Forester	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies Vaccination	-
6	Sri. Rajender Singh Bagdwal	Forest Guard	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies Vaccination	-
7	Sri Mohit Tiwari	Forest Guard	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies Vaccination	-
8	Smt. Geeta Pant	Chaukidar	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies Vaccination	-
9	Smt. Mera Negi	Mali	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies Vaccination	-
10	Smt. Kamlesh	cleaner	Half Yearly Vaccination (Tetanus) Annual Antirabies Vaccination	-

बाड़े का समृद्धीकरण :– मृग विहार अन्तर्गत वर्ष 2017–18 में बन्दर पकड़ने एवं बन्दर बध्याकरण कार्यक्रम प्रारम्भ किय गया। मार्च–18 में 9 बन्दरों का आपरेशन किया गया। तथा वर्ष

2017–18 में एक बन्दरों के रखने का केज (टीन सैड) बनाया गया है। तथा बन्दरों के आपरेशन हेतु उपकरण आदि क्रय किये गये है। आपरेशन थियेटर का निर्माण किया जाना है।

विशेष एवं महत्वपूर्ण आयोजित कार्यक्रमः– जन मानस में वन्य जीवों के प्रति स्नेह एवं जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से मृग विहार वन क्षेत्र में विशेष अवसरों पर वन्य जीव सुरक्षा सप्ताह विश्व पर्यावरण दिवस, अग्नि सुरक्षा सप्ताह, योग दिवस आदि विभिन्न कार्यक्रमो का आयोजन किया जाता है। जिसमें स्थानीय जन प्रतिनिधियों एवं नगर क्षेत्र के विद्यालयों एवं संस्थानों के छात्र–छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया जाता है।

वन्य प्राणियों के रखरखाव के लिए ऋतुवार विशेष व्यवस्था :– मृग विहार में वन्य प्राणियों के बाड़ों को उनके प्राकृतिक आवास के अनुरूप तथा स्वच्छद विचरण के लिए अनुकूल बनाने हेतु बाड़ों में लकड़ी के पर्च, गुफानुमा सेल्टर,छिपने हेतु झाड़ियां आदि को समायोजित किया गया। विभिन्न मौसम में वन्य प्राणियों को प्रोटीन,कैलसियम एवं ऊर्जा प्रदान करने के उद्देश्य से उनके दैनिक आहार में खाद्य पूरको का भी समावेश विभिन्न विधियॉ द्वारा किया जाता है।

शोध कार्य :– वन्य प्राणियों के संरक्षण, संर्वद्धन एवं प्रजनन कार्यों में भी शोध कार्य एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

संरक्षण एवं प्रजनन कार्यक्रम :– विभिन्न वन्य प्राणियों के संरक्षण, संर्वद्धन एवं प्रजनन कार्य किसी भी मृग विहार का एक अत्यन्त महत्वपूर्ण कार्य है। मृग विहार अल्मोड़ा में विभिन्न स्वदेशी अनुसूचित विलुप्त प्रायः वन्य प्राणियों में प्रजनन कार्य संचालित है। वर्तमान में सांभर चीतलों की प्रजनन क्षमता उम्रदराज होने के कारण कम हो गयी है। तथा चीतल सांभर बाड़ों में नर व मादा के लिए अलग–अलग बाड़ा स्थापित नहीं है, न ही चिकित्सा देख–रेख हेतु डाक्टर एवं फार्मासिस्ट उपलब्ध नहीं **है।**

वन्य प्राणियों की सूची 2017–18

मृग विहार में वन्य प्राणियों की वार्षिक सूची निम्न प्रकार हैः–

S.No.	Animal name	Opening Stock				Birth			Acquisition			Disposal			Death			Closing stock			
		M	F	U	T	M	F	U	M	F	U	M	F	U	M	F	U	M	F	U	T
1.	सांभर	8	8	–	16	–	–	–	–	–	–	–	–	–	3	–	–	5	8	–	13
2.	चीतल	2	4	–	6	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	25	44	–	69

		5	4		9																
3.	सफेद बन्दर	1	–	–	01	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	1	–	–	1
4.	भालू	1	–	–	01	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	1	–	–	1
5.	तेंन्दुआ	4	4	–	8	–	–	–	–	1	–	–	–	–	–	–	–	4	5	–	9
6.	काकड़	1	1	–	2	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	1	1	–	–	–	–

वन्य प्राणियों की मृत्यु दर :–

S.No.	Animal Name Date	Sex	Date of Death	Death Reason of Death
1.	काकड़	मादा	30/12/2017	निमोनिया ग्रस्त
2.	साभर	नर	01/01/2018	उम्रदराज के कारण
3.	साभर	नर	18/1/2018	उम्रदराज के कारण
4.	साभर	नर	27/1/2018	उम्रदराज के कारण
5.	काकड़	नर	05/2/2018	फेफड़ों में निमोनिया

प्रभागीय वनाधिकरी,
सिविल एवं सोयम वन प्रभाग,
अल्मोड़ा।